फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 168 प्रभात जयपुर, बुधवार 18 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

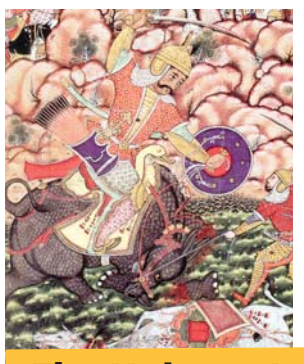

The Unicorn In the Mughal Records

The rhinoceros often finds place amongst the wild animal amongst animals in stance before Aflatun (Plato) playing enchanting music.

Pared-back Simplicity

Expansion of French Language & Culture | A scintillating cultural evening at JKK

‘क्या कारण है कि राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं हो पाती है?’

सचिन पायलट ने कहा- शीला दीक्षित 15 साल मुख्यमंत्री रहीं, तरुण गोगोई लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बने, रेड्डी लगातार दो बार सत्ता लाने में सफल रहे, यहां सोचना होगा कि जनता का मन कैसे जीतें

पीलीबंगा/हनुमानगढ़, 17 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने और राजनीतिक ताकत दिखाने निकले सचिन पायलट ने मंगलवार को एक बार फिर पेपर लीक प्रकरण का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार ने कार्यवाही की है, कुछ लोगों को पकड़ा है, लेकिन एक के बाद एक प्रकरण हो रहा है, इससे मन आहत होता है। पुख्ता इंतजाम करना पड़ेगा। कोई कितना भी बड़ा ताकतवर व्यक्ति हो, किसी भी पद पर हो, नेता हो, अधिकारी हो, किसी दल का भी हो, कहीं का भी हो, अगर बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करेगा, उसको हम कभी नहीं बख्शेंगे। उसको सूद समेत सजा मिले यह बात हम हमेशा बोलते हैं, पार्टी भी बोलती है और मुझे उम्मीद है, कि बहुत जल्द इस दिशा में काम होगा।

- पेपर लीक मामले में सुबह गहलोत ने नेता- अधिकारियों को क्लीन चिट दी, दोपहर में पायलट ने कहा, कोई कितना भी बड़ा हो, नेता हो, अधिकारी हो, उसको सूद समेत सजा मिले, ऐसा करके दिखाना होगा।
- किसानों की समस्याओं पर उन्होंने कहा, हम सिर्फ भाषण दें, घोषणा करें, अपने समय को निकालें, तो किसी के जीवन काल में उसका कोई मतलब नहीं।

दरअसल सचिन पायलट ने यह बात तब कही जब नागौर में पेपर लीक प्रकरण पर उनके भाषण के बाद मंगलवार को सुबह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेपर लीक प्रकरण पर नेता और अधिकारियों को क्लीन चिट दी थी। पायलट ने पीलीबंगा में आयोजित किसान सम्मेलन में कहा कि जब बच्चे मेहनत करते हैं, पढ़ाई करते हैं, पैसे इकट्ठा करके किताब खरीदते हैं। मेहनत करके परीक्षा देते हैं और वहां उनको पता चलता है कि पेपर लीक हो गया, परीक्षा रद्द हो गयी। वो भी दुखी होते हैं, हम भी दुखी होते हैं। जो भी ऐसा काम करता है

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पीलीबंगा में आयोजित कार्यक्रम में एक बार फिर मुखर होकर पेपर लीक मामले में अपनी ही सरकार को घेरा। पायलट ने शीला दीक्षित, तरुण गोगोई व राजशेखर रेड्डी का नाम लेकर कहा कि, आखिर क्यों सिर्फ राजस्थान में ही सरकार रिपीट नहीं हो पाती। पायलट ने मंगलवार को पीलीबंगा में किसानों व आम लोगों की जनसभा को संबोधित किया। जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।

इसी के साथ सचिन पायलट ने राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं होने का मुद्दा उठाया तथा कई उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में शीला दीक्षित लगातार 15 साल मुख्यमंत्री रहीं, सरकार रिपीट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के अंतिम दिन गृह मंत्री अमित शाह ने जे.पी. नड्डा के कार्यकाल पर व्याप्त सस्पैंस हटा दिया और एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में उनका कार्यकाल एक साल के लिए जून 2024 तक बढ़ाने की घोषणा की।

पार्टी के प्रवक्ताओं की प्रैस कॉन्फ्रैंस में नड्डा के कार्यकाल की घोषणा की गई थी। बाद में शाह ने इस निर्णय की घोषणा की जिसका प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रखा था। शाह ने कहा कि नड्डा ने पार्टी का अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व किया है। नड्डा का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला आम सहमति से हुआ है क्योंकि वे 2020, गत तीन वर्ष से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। नड्डा का कार्यकाल इस माह के अंत में खत्म

- भाजपा के पार्टी प्रवक्ताओं की प्रैस कॉन्फ्रैंस में नड्डा के कार्यकाल विस्तार की घोषणा रोक दी गई थी। बाद में गृह मंत्री अमित शाह ने एक अलग प्रैस कॉन्फ्रैंस में इस संबंध में घोषणा की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

17 साल पहले पति विमान हादसे में मारा गया और अब पत्नी भी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। सन् 2006 में, एक छोटी नेपाली एयरलाइन का पायलट प्लेन क्रैश में मारा गया। उसकी विधवा, अंजू खातीवाड़ा ने अपने पति के सपने को आगे बढ़ाने का प्रण लिया। उसने अपने परिवार के विरोध के बावजूद नर्सिंग करियर छोड़कर अमेरिका में पायलट की ट्रेनिंग ली। सन् 2010 में उसने उसी कम्पनी, येती एयरलाइन्स, के लिए हवाई जहाज उड़ाना शुरू कर दिया।

- नेपाल एयरलाइन के 2006 के विमान हादसे में मारे गए पायलट की पत्नी अंजू खाटीवाड़ा ने अपने पति का सपना आगे बढ़ाने के लिए नर्सिंग छोड़कर पायलट का करियर चुना था, हालिया विमान हादसे में वो भी मारी गईं। इन दिनों नेपाल में इस युगल की कहानी बहुत चर्चित हो रही है।

रविवार को 44 वर्षीय कैप्टन अंजू के साथ भी नियति ने वही खेल रचा, जो उसके पति के साथ रचा था। पर्यटन स्थल पोखरा में लैंडिंग स्ट्रिप के पास जो प्रॉपलर विमान दुर्घटना

(शेष पृष्ठ 5 पर)

‘वरुण गांधी से मिलकर बहुत अच्छा लगा’

पर राहुल गांधी ने यह भी जोड़ा कि, वे वरुण गांधी की आर.एस.एस. जनित सोच का कभी समर्थन नहीं कर सकते

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। अपनी सैद्धांतिक धारणा को परिभाषित करने के एक अन्य प्रयास के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज स्पष्ट किया कि वह अपने चचेरे भाई एवं भाजपा सांसद वरुण गांधी से प्रेम से मिल सकते हैं किन्तु राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की जिस विचारधारा से वे बंधे हुए हैं, उसका समर्थन कभी नहीं कर सकते।

वर्तमान में पंजाब में जारी भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुत गांधी ने यह कहते हुए कोई संदेह या अटकल शेष नहीं छोड़ी की प्रतिद्वंदी भाजपा के सैद्धांतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्यालय जाने के बजाए वह अपना सिर कटवाना अधिक पसंद करेंगे।

वायनाड के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान कई बार और उससे पहले भी अपनी सैद्धांतिक विचार प्रक्रिया को स्पष्ट किया है, लेकिन आज उन्होंने वरुण गांधी को लेकर जो बात कही है, वह वर्ष 2004 से शुरु हुए अब तक के उनके 18 वर्ष लम्बे राजनीतिक जीवन के दौरान हुए सैद्धांतिक क्रमिक विकास की एक पारिभाषिक पहचान है।

- वरुण गांधी का भाजपा से मोह भंग हो रहा है, यह काफी उजागर हो गया था, जब से उनकी मां मेनका गांधी को द्वितीय मोदी मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं किया गया था।
- इसके बाद वरुण द्वारा लिखे लेख व भाषणों में उनकी प्र.मंत्री मोदी व भाजपा से नाराज़गी साफ झलकने लगी थी।
- इससे कयासबाजी शुरु हुई थी कि, वरुण अपनी पार्टी बदलेंगे।
- पर, वह पार्टी कांग्रेस नहीं हो सकती, यह राहुल गांधी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में स्पष्ट किया।

यात्रा के दौरान आयोजित एक प्रैस कांफ्रैंस में राहुल गांधी ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि “वरुण गांधी भाजपा में हैं। यदि वे यहां आते हैं तो उनके लिए समस्या हो सकती है। मेरी विचारधारा उनकी विचारधारा से मेल नहीं खाती। मैं आर.एस.एस. के दफ्तर कभी नहीं जा सकता। इससे पहले आपको मेरा सिर काटना होगा। मेरे परिवार की एक विचारधारा है, एक विचार प्रक्रिया है। वरुण ने जिस विचारधारा को स्वीकार किया और शायद आज भी करते हैं, उन्होंने उसे अन्तर्निहित कर लिया है, मैं उसे स्वीकार नहीं कर सकता।”

राहुल ने रहस्योद्घाटन किया कि वरुण गांधी ने कई वर्ष पूर्व यह कहने की कोशिश की थी कि आर.एस.एस. अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि “मैंने उन्हें बताया था कि यदि आपने पढ़ा और देखा होता कि हमारा परिवार किस विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है तो आपने आर.एस.एस. की विचारधारा को स्वीकार नहीं किया होता।”

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान पीलीभीत की सार्वजनिक रैलियों में दिए अपने भाषणों में एक समुदाय विशेष के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के कारण कभी सुर्खियां बने वरुण गांधी पिछले कुछ समय से विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी खुद की ही पार्टी भाजपा को परेशान करते

(शेष पृष्ठ 5 पर)

400 दिन में हर मतदाता से संपर्क का मंत्र दिया मोदी ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक के मंगलवार को हुए समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी

- भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन पर उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, चुनावों में 400 दिन बचे हैं तब तक हर एक वोटर, खासकर 18 से 25 साल के युवा मतदाता से संपर्क किया जाना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्र.मंत्री ने कर्नाटक के मसले में पुनः हस्तक्षेप किया

येदियुरप्पा से प्र.मंत्री मोदी ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान अलग से15 मिनट बात की

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा से नाराज़ चल रहे बी.एस. येदियुरप्पा से मुलाकात कर उन्हें मनाया और शांत किया। येदियुरप्पा को शिकायत थी कि कर्नाटक में पार्टी के मामलों में उनकी अनदेखी की जा रही है।

कर्नाटक से प्राप्त खबरों से संकेत मिलता है कि भाजपा का यह सीनियर नेता स्थानीय नेताओं द्वारा अपने साथ किए गए बर्ताव से किस प्रकार से खिन्न था और इसे लेकर भी कि भाजपा के दक्षिण भारत में पैर जमाने में महत्वपूर्ण रहे इस नेता का तब अपमान किया गया जब भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने कर्नाटक का दौरा किया था।

- येदियुरप्पा काफी नाराज़ दिख रहे थे, स्थानीय नेताओं द्वारा उनकी अवहेलना करने से।
- प्र.मंत्री के हस्तक्षेप करने की आवश्यकता शायद इसलिए हो गई थी, क्योंकि चार बार कर्नाटक के मु.मंत्री रहे येदियुरपपा आज भी राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।
- एक बार पहले वे नाराज़ होकर भाजपा छोड़कर चले गये थे, तथा अपनी पार्टी बना ली थी। हालांकि, येदियुरप्पा की पार्टी ने सीटें नहीं जीतीं थीं, पर, उनकी विद्रोही की भूमिका भाजपा की हार का प्रमुख कारण बनी थी।

पिछले दिनों ही जब प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में सभाओं को संबोधित किया था, तब तीन मौकों पर येदियुरप्पा को आमंत्रित नहीं किया गया था।

येदियुरप्पा के अपमान और उनकी अनदेखी पर कांग्रेस एक उत्साह और उम्मीद के साथ पहले से ही नज़र बनाए हुए है क्योंकि उसका मानना है कि येदियुरप्पा की नाखुशी और गुस्सा कांग्रेस के लिए एक अच्छी खबर हो सकता है। स्मरण रहे कि अपनी अनदेखी किए जाने को लेकर येदियुरप्पा पहले भी भाजपा छोड़कर एक नई पार्टी का गठन कर चुके हैं। हालांकि उनकी पार्टी विधानसभा चुनावों में जीत तो नहीं पायी थी, लेकिन उसने भाजपा की हार को सुनिश्चित किया था।

वे प्रधानमंत्री मोदी ही थे, जिन्होंने येदियुरप्पा को घर वापसी करने और अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करने के लिए राजी किया था। इतना ही नहीं कांग्रेस या जनता दल (सैक्यूलर) से भाजपा में शामिल हुए कई विधायक पार्टी के इस सीनियर नेता का आदर करते हैं और उनका अनुसरण करते हैं। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए येदियुरप्पा को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री का हस्तक्षेप करना और यह सुनिश्चित करना कि इसको लेकर पार्टी में कोई प्रतिकूल घटना ना हो जाए, बिल्कुल सहज था।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के इस नेता से15 मिनट बात की। येदियुरप्पा के समर्थक फिलहाल चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन पार्टी के सूत्र आशान्वित है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। कर्नाटक के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके येदियुरप्पा इस बड़े पद से हटाए जाने के बाद स्वयं को चर्चाओं से दूर रखे हुए थे, यद्यपि उन्हें पार्टी की सर्वोच्च निर्णय इकाई भाजपा संसदीय बोर्ड में एक शीर्ष पद दिया गया था।

येदियुरप्पा कर्नाटक और भाजपा की राजनीति में इसलिए प्रासंगिक बने हुए हैं क्योंकि राज्य के सशक्त लिंगायत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सचिन पायलट के दौरों से कांग्रेस के सत्ता व संगठन में हलचल मची

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि, यह पार्टी संगठन का कार्यक्रम नहीं है

जयपुर, 17 जनवरी (का.प्र.)। सचिन पायलट को संयम रखने के लिए जाना जाता है और 4 साल से ज्यादा समय तक उन्हें पूरा संयम रखा है। इसी क्रम में वे एक कांग्रेस नेता के रूप में किसान सम्मेलन कर रहे हैं। दूसरी ओर प्रदेश की कांग्रेस सरकार और संगठन पायलट के दौरे पर निकलते ही अपना संयम खोते नजर आ रहे हैं।

यही कारण है कि जहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समय से पहले बजट लाने की घोषणा कर दी है, तो वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने सचिन पायलट के दौरे को अधिकृत बताया है।

ऐसा करके डोटासरा ने कांग्रेसजनों को पायलट के कार्यक्रमों से एक तरह से दूरी बनाए रखने की हिदायत देने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं डोटासरा ने तो 20 जनवरी से जिला स्तरीय कार्यक्रम करने की भी घोषणा कर दी।

- पायलट के दौरों में व्यवधान डालने के मकसद से उन्होंने 20 जनवरी से जिला स्तरीय कार्यक्रमों की घोषणा भी की।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी 8 फरवरी को बजट प्रस्तुत करने की घोषणा की।

जयपुर में मंत्रियों के 2 दिन के शिविर के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि इस बार वह 8 फरवरी को बजट प्रस्तुत करेंगे। यानी कि यह बजट समय से पहले प्रस्तुत होने वाला है, जबकि प्राय: होता यह है कि केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद ही राजस्थान का बजट रखा जाता है, लेकिन इस बार बजट समय से पहले प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने काम में देरी करने वाले अधिकारियों को सीधे बर्खास्त करने की बात भी कही है। हालांकि अधिकारियों को चेतावनी तो कई बार दी गई है, लेकिन कार्यवाही के नाम पर सरकार कभी भी सख्त नजर नहीं आई।

इधर सचिन पायलट के दौरे को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि पायलट के कार्यक्रम संगठन के कार्यक्रम नहीं हैं, लेकिन जो भी व्यक्ति कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है और पार्टी की मजबूती के लिए काम करता है- चाहे वह एमएलए हो, मंत्री हो या कार्यकर्ता हो, तो उससे किसी को एतराज नहीं हो सकता।

डोटासरा ने कहा कि संगठन के कार्यक्रम वह होते हैं जो या तो एआईसीसी की ओर से घोषित किए जाएं या फिर उन्हें प्रदेश कांग्रेस द्वारा घोषित किया जाए, जैसे कि राजस्थान में 20 जनवरी से कांग्रेस संगठन के जिला स्तरीय कार्यक्रम होने जा रहे हैं।

कड़ाके की ठंड में भी पायलट के स्वागत के लिए भीड़ डटी रही

बीकानेर, 17 जनवरी (कासं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सोमवार की देर रात जब बीकानेर के सर्किट हाउस में पहुँचे तो वहाँ, तेज़ सर्दी के बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उनके स्वागत के लिए जमा थी।

गाड़ी से उतरकर पायलट सर्किट हाउस के हॉल में पहुँचे वहाँ भी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ के कारण कुछ टेबल -कुर्सियाँ क्षतिग्रस्त हो गई थीं। आखिरकार सचिन पायलट हॉल से बाहर आकर सर्किट हाउस परिसर के लॉन उनका इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं से रुबरु हुए तथा हर उपस्थित कार्यकर्ता

- सचिन पायलट रात दस बजे बीकानेर सर्किट हाउस पहुंचे। भारी ठंड के बावजूद भी कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भीड़ उनके स्वागत में मौजूद थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पहले से तीन गुना बड़ा शोरुम अब राजापार्क में
WINTER SALE
मीनू ड्रेसेज
315, उदय मार्ग, नियम LBS कॉलेज, गली नं. 7, राजापार्क, जयपुर